ॐ श्री गुरुभ्यो नमः

व्याहृति सामानि

ओं | भूः | भूः | होइ | भूः | होइ | भूः | हाऽ३१उवा२ | ए |
सुवर्ज्योतीऽ२३४५: ||

ओं | भुवाः | भुवः | होइ | भुवः | होइ | भुवः | हाऽ३१उवा२ | ए |
सुवर्ज्योतीऽ२३४५: ||

ओं | सुवाः | सुवः | होइ | सुवः | होइ | सुवः | हाऽ३१उवा२ | ए |
सुवर्ज्योतीऽ२३४५: ||

ओं | सत्यां | सत्यं | होइ | सत्यं | होइ | सत्यं | हाऽ३१उवा२ | ए |
सुवर्ज्योतीऽ२३४५: ||

ओं | पुरुषाः | पुरुष | होइ | पुरुष | होइ | पुरुष | हाऽ३१उवा२ | ए |
सुवर्ज्योतीऽ२३४५: ||

तत्सवितुर्वरेणियोम् | भार्गोदेवस्यधीमाहीऽ२ | धियोयोनःप्रचोऽ१२१२ ||
हिम्(स्थि)आऽ२ || दायो || आऽ३४५ ||